Seat No. : _____

MF-103(H)

April-2025

B.A., Sem.-V

CC-305(A) : Sociology

(Rural Sociology)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

निर्देश : (1) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(2) **सभी** प्रश्नों के समान अंक हैं ।

1. ग्रामीण समाजशास्त्र की परिभाषा एवं इसके महत्त्व को समझाइए । **14**

अथवा

1. ग्रामीण समाजशास्त्र का कार्यक्षेत्र स्पष्ट कीजिए । **14**

2. ग्रामीण समुदाय की खासियतों की चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

2. सामाजिक सर्वेक्षण का अर्थ एवं लाक्षणिकताओं का वर्णन कीजिए । **14**

3. ग्रामीण लोगों के जीवन निर्वाह के तरीके समझाइए । **14**

अथवा

3. ग्रामीण भारत में भूमि समस्या के कारणों का वर्णन कीजिए । **14**

4. ग्रामीण विकास में पंचायती राज की भूमिका की चर्चा कीजिए । **14**

अथवा

4. ग्रामीण समाज में परिवर्तन के अवरोधक कारकों को स्पष्ट कीजिए । **14**

5. निम्न कथनों में सही या गलत बताइए : (कोई **सात**) **14**

(1) 'भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र का परिचय' पुस्तक के लेखक डॉ. ए.आर. देसाई हैं ।

(2) ग्रामीण समुदाय में प्राथमिक एवं मूल इकाई एकल परिवार हैं ।

(3) सामाजिक सर्वेक्षण कुछ स्थलों एवं भौगोलिक विस्तार से संबंधित हैं ।

(4) गांधीजी ने ग्राम स्वराज का विचार दिया ।

(5) भूमि सुधार अधिनियम 1983 में लागू किया गया ।

(6) सहकारी संस्था एक प्रजातांत्रिक संस्थान है ।

(7) सामुदायिक विकास कार्यक्रम 1952 में लागू हुआ था ।

(8) शिक्षा ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन का सहायक कारक है ।

(9) पंचायती राज की संरचना एक स्तरीय है ।

(10) ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक व्यवसाय व्यापार अभिमुख हो रहे हैं ।

(11) निरक्षरता ग्रामीण सामाजिक विकास का अवरोध कारक हैं ।

(12) जवाहरलाल नेहरू ने असमान भू-वितरण की समस्या के समाधान के लिए भूदान आंदोलन चलाया था ।

Seat No. : _____

MF-103(H)

April-2025

B.A., Sem.-V

CC-305(B) : Sociology

(Sociology of Religion)

Time : 2:30 Hours] **[Max. Marks : 70**

(Hindi Version)

निर्देश : सभी प्रश्न हल करें ।

1. धर्म के समाजशास्त्र की परिभाषा एवं इसके कार्यक्षेत्र का वर्णन कीजिए । **14**

अथवा

1. भारत में धर्म के समाजशास्त्र के उद्‌भव एवं विकास का वर्णन कीजिए । **14**

2. धर्म का अर्थ एवं इसके लक्षणों की व्याख्या कीजिए । **14**

अथवा

2. धर्म के कार्यों एवं विकार्यों को समझाइए । **14**

3. मैक्स वेबर के धर्म के घटनाशास्त्रीय अर्थघटन को समझाइए । **14**

अथवा

3. इमाईल दुर्खीम के धर्म के कार्यात्मक अर्थघटन को समझाइए । **14**

4. हिंदू धर्म की मान्यताओं एवं व्यवहारों को समझाइए । **14**

अथवा

4. इस्लाम धर्म का अर्थ बताते हुए, इसके आधार-स्तंभ समझाइए । **14**

5. रिक्त स्थान भरिए : (कोई **सात**) **14**

(1) भारत में धर्म का अध्ययन करने वाले प्रथम समाजशास्त्री _____ थे ।

(मैक्स वेबर, आई.पी. देसाई, कार्ल मार्क्स)

(2) _____ ने हिंदू जीवन मूल्यों का धार्मिक ज्ञान के रूप में अध्ययन किया ।

(माथुरे, कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर)

(3) इस्लाम के _____ आधार-स्तंभ हैं । (5, 6, 7)

(4) ईसाई धर्म के संस्थापक _____ हैं । (जिसस क्राइस्ट, नीरा देसाई, ताराबेन पटेल)

(5) _____ के अनुसार विश्व की उत्पत्ति देवी ने की है । (प्रकृति, बाईबल, शिक्षा)

(6) _____ ने प्रोटेस्टेन्ट आचारशास्त्र और पूँजीवाद के मध्य संबंधों की व्याख्या की है ।

(अगस्ट कॉम्टे, मैक्स वेबर, आई.पी. देसाई)

(7) _____ ने धर्म को लोगों के लिए अफीम बताया है । (कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर, ताराबेन पटेल)

(8) ईसाई धर्म के अनुसार मानव शरीर भगवान का _____ है । (मंदिर, शिक्षा, परंपरा)

(9) धर्म एवं समाज के मध्य _____ संबंध है । (पारस्परिक, स्वतंत्र, अलग)

(10) _____ ने अरून्ता जनजाति का अध्ययन किया है ।

(इमाईल दुर्खीम, ताराबेन पटेल, मैक्स वेबर)

(11) धर्म का समाजशास्त्र _____ की शाखा है । (समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र)

(12) इस्लाम धर्म का स्रोत _____ है । (कुरान, नमाज, मंदिर)

_____